एक नजर में

सांदीपनि विद्यालय में हुआ पौधरोपण

मंदसौर। पर्यावरण संरक्षण और मातृशक्ति को समर्पित एक पेड़ माँ के नाम 3.0 योजना के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल, मंदसौर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजेश रत्नावत की उपस्थिति में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर हामिद खान जेदी, सुश्री आरती शर्मा श्रीमती रचना आर्य श्रीमती रेणुका आचार्य, जयंत तारे, सुरेश बोराना, अर्चना अठवाल और जया सोनीी, श्रीमती अलका रतनावत सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यालय के बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर पौधे लगाए और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। प्रभारी प्राचार्य रत्नावत ने कहा कि 卐एक पेड़ मां के नाम卐 योजना न केवल प्रकृति को हरा-भरा बनाएगी, बल्कि बच्चों में प्रकृति और माँ के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित करेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों और बच्चों ने नियमित रूप से पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

शिवना तट को हरित बनाने का अभियान निरंतर जारी

मंदसौर। शिवना शुद्धिकरण अभियान के 133वें दिन महिला, पुरुष, युवाओ, समाज सेवियों ने भगवान पशुपतिनाथ मंदिर स्थित छोटी पुलिया के दोनों ओर श्रमदान कर नदी में फैले प्लास्टीक कचरे, जलकुंभी तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों को निकालकर उचित स्थान पर एकत्रित किया गया, ताकि नदी का जल स्वच्छ एवं निर्मल बना रहे। इस अवसर पर लोकप्रिय विधायक विपिन जैन ने मीडिया से चर्चा करते हुए आमजन से भी अपील की कि वे नदी में किसी भी प्रकार का कचरा या प्लास्टिक सामग्री न डालें और इस शुद्धिकरण अभियान का हिस्सा बनें। श्री जैन ने आगे बताया कि आज रविवार को नदी किनारे विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधे भी लगाए गए। इन पौधों के विकसित होने से न केवल नदी तट की प्राकृतिक सुंदरता में वृद्धि होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। श्री जैन ने सभी मंदसौर वासियों से आहवान किया कि शिवना शुद्धिकरण अभियान में प्रति रविवार को प्रात: 7-00 से 9-00 बजे के बीच श्रमदान करने जरूर पधारे। रविवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान के 133 वे दिन श्रमदान करने वालों में सर्वश्री विधायक विपिन जैन, भंवरलाल प्रजापत, बालकृष्ण दवे, राकेश जैन पिंटू, अनुज भंडारी, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, रमेश धनगर, दलौदा सगरा गांव से गणेशराम मालवीय, ईश्वरलाल मालवीय, रामप्रसाद मालवीय, राजू मालवीय, राकोदा, महिला नेत्रीयों में रफत पयामी, राखी सत्रावाला, अनीता भदोरिया, प्रमिला पंवार, कौशल्या त्रिवेदी, कांग्रेसजन मे सर्वश्री राजनारायण ला?, राजेश फरक्या, रमेश ब्रिजवानी, कैलाश मनवानी, मनोज जैन, मज़हर खान, अजय सोनी, महेश गुप्ता, जयेश पालीवाल, अंसार मेव, राजेश खिंची, सोहनलाल धाकड़, विजय सिंह सिसोदिया, अकरम खान, सुभाष जैन, आमीन खान, सादिक गोरी, राकेश सेन, गणपत कुमावत, संजय बारोट, अंसार मेव, शैलेश माली, गगन माली, राजेश चौधरी, ऋषिराज लाड़, राघव जैन, कनिष्क सोनी आदि श्रमदान में उपस्थित रहे।

84 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी मंदसौर प्यासा

- **जल योजनाओं में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के आरोपों से घिरी नगर पालिका, कालाभाटा बांध का जलस्तर शून्य हो चुका है**

मंदसौर। शहर की जनता लंबे समय से भीषण जल संकट से जूझ रही है, बावजूद इसके कि शहर में जलापूर्ति के नाम पर 84 करोड़ रुपये की बड़ी राशि खर्च की जा चुकी है। नगर पालिका के पूर्व नेता प्रतिपक्ष तरुण खींची ने इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहरवासियों को प्रतिदिन पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। स्थिति यह है कि नगर पालिका द्वारा जनता से पूरे महीने का जलकर तो वसूला जा रहा है, लेकिन पानी की आपूर्ति केवल महीने में 15 दिन ही की जा रही है।

?तरुण खींची ने इस बदहाली के पीछे 28 करोड़ रुपये की कालाभाटा योजना और 56 करोड़ रुपये की चंबल योजना में हुए भारी भ्रष्टाचार को मुख्य कारण बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के कारण कालाभाटा बांध का जलस्तर शून्य हो चुका है, वहीं चंबल योजना भी पूरी तरह विफल साबित हुई है। इस विफलता का मुख्य कारण यह है कि चंबल नदी में इंटकवेल का निर्माण निर्धारित स्थान पर नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मई-जून जैसे भीषण गर्मी के महीनों में भी पर्याप्त पानी की उपलब्धता नहीं हो पाती है। साथ ही, पाइपलाइन में आए दिन लीकेज और फूटने की समस्या के कारण जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ?खींची ने भाजपा की परिषद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता को जो बड़े-बड़े सपने दिखाए गए थे, उनकी असलियत सबके सामने है। उन्होंने एक व्यावहारिक विकल्प सुझाते हुए कहा कि यदि इन 84 करोड़ रुपये की आधी राशि से भी ईमानदारी के साथ कथार डेम से मिर्जापुर डेम और रामघाट तक गहरीकरण व चौड़ीकरण का कार्य किया जाता, तो मंदसौर की जनता को आगामी 50 वर्षों तक प्रतिदिन निर्बाध जल आपूर्ति मिल सकती थी।

? तरुण खींची ने मांग की है कि कालाभाटा और चंबल योजना में हुए कथित भ्रष्टाचार की अविलंब उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए ताकि जनता के धन का दुरुपयोग करने वालों को सबक मिल सके।

सकल जैन समाज वीर पुत्र जयम की मासिक संगोष्ठी संपन्न

मंदसौर। सकल जैन समाज वीर पुत्र जयम द्वारा संस्कृति संरक्षण एवं वैचारिक उन्नयन के उद्देश्य से मासिक बौद्धिक संस्कार संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। प्रथम संगोष्ठी 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय (तार बंगला) में आयोजित हुई, जिसका विषय 卐दया, करुणा तथा अहिंसा की प्रतीक पिच्छी卐 रखा गया। कार्यक्रम में सकल जैन समाज संयोजक सुरेंद्र लोढ़ा, अध्यक्ष लोकेंद्र जैन गोटावाला, वीर पुत्र जयम के राजमल गर्ग सहित मुख्य वक्ता राजकुमार बाकलीवाल एवं शांतिलाल बड़जात्या उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत संस्था पदाधिकारियों द्वारा किया गया। राजमल गर्ग ने कहा कि वर्तमान समय में ऐसी संगोष्ठियों की आवश्यकता है, जिससे युवा पीढ़ी को संस्कृति, परंपरा एवं संस्कारों से जोड़ा जा सके। सुरेंद्र लोढ़ा ने पिच्छी को लेकर फैल रही भ्रांतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दिगंबर संतों की पिच्छी त्याग, अहिंसा और करुणा का प्रतीक है। वक्ता राजकुमार बाकलीवाल ने बताया कि दिगंबर संतों द्वारा उपयोग की जाने वाली पिच्छी मोर के स्वत-गिरे हुए पंखों से बनाई जाती है, इसके लिए किसी मोर की हत्या नहीं की जाती।

बिजली ग्रिड पर मेंटेनेंस के दौरान करंट से झुलसा आउटसोर्स कर्मचारी

पिपलियामंडी। तहसील के ग्राम कनघट्टी में शनिवार शाम करीब 5 बजे बिजली ग्रिड पर मेंटेनेंस कार्य के दौरान बिजली वितरण कंपनी का आउटसोर्स कर्मचारी गोपाल पिता ओंकारलाल कुमावत (25) गंभीर रूप से करंट की चपेट में आकर झुलस गया। घटना के बाद विभागीय कर्मचारियों ने उसे तत्काल मंदसौर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रविवार को परिजन बेहतर इलाज के लिए अहमदाबाद ले गए। जिला अस्पताल में घायल से मिलने पहुँचे जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा एवं मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा रविवार सुबह मंदसौर पहुंचे और मांग की कि घायल कर्मचारी का संपूर्ण इलाज कंपनी की ओर से कराया जाए और उसके पूर्ण स्वस्थ होने तक सभी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली वितरण कंपनी की लापरवाही के कारण पहले भी कई स्थानों पर ऐसे हादसे हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि गोपालपुरा, बादरी, लीलदा सहित अन्य क्षेत्रों में भी लाइन स्टाफ और आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कुछ कर्मचारियों की मौत तक हो चुकी है, जबकि कई आज भी गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। परमिट जारी होने के बावजूद इस प्रकार की घटनाएं होना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। घायल कर्मचारी को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पूरी मजबूती से उसके साथ खड़ी रहेगी। यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई।

सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ की 34वीं वार्षिक साधारण सभा

मंदसौर। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मंदसौर की 34वीं वार्षिक साधारण सभा जनपद पंचायत सभागार में आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक रामावत ने की। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति गिरीराजदास सक्सेना, विशेष अतिथि प्रदेश मंत्री वरिष्ठ नागरिक परिसंघ रतलाम दिलीप मेहता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेशचंद्र चन्द्रे एवं जिला सचिव चन्द्रकांत शर्मा उपस्थित रहे। सभा में संगठन का वार्षिक प्रतिवेदन जिला सचिव चन्द्रकांत शर्मा ने प्रस्तुत किया, जबकि आय-व्यय विवरण कोषाध्यक्ष कोमल वाणवार ने रखा, जिसका सदस्यों ने अनुमोदन किया। संगठन कार्यों को गति देने के लिए नवीन दायित्वों की घोषणा भी की गई। मुख्य अतिथि गिरीराजदास सक्सेना ने सदस्यों से संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। दिलीप मेहता ने कहा कि प्रदेश में वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड का पुनर्गठन कर उसमें वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने मंदसौर पेंशनर संघ के कार्यों की सराहना करते हुए इसे प्रदेश के लिए उदाहरण बताया। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सिसोदिया ने कहा कि पेंशनर्स को बैंक में जीवित होने का प्रमाण पत्र देने की व्यवस्था समाप्त की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संगठन को शासन स्तर पर मांग उठानी चाहिए। उन्होंने पेंशनरों की धारा 49(6) समाप्त करने की मांग को लेकर भी प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। सिसोदिया ने स्वर्गीय दौलतराम पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से मंदसौर में वृद्धजन सेवा केंद्र की स्थापना हुई, जहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सभा में जिले की विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों, नगर मोहल्ला इकाइयों एवं महिला समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अजीजुल्ला खान एवं अशोक नागदा ने किया। आभार रामकृष्ण वैष्णव एवं चन्द्रकांत शर्मा ने व्यक्त किया। अंत में दिवंगत पेंशनर साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रकृति प्रेमी एवं पर्वतारोही राघव जैन का मानना है कि जल, जंगल, जमीन का संरक्षण जरूरी

मंदसौर। मंदसौर के मूल निवासी एवं वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत राघव जैन अपने गृह नगर प्रवास के दौरान पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने विधायक विपिन जैन द्वारा चलाए जा रहे शिवना नदी शुद्धिकरण एवं वृक्षारोपण अभियान में शामिल होकर पौधारोपण किया। प्रकृति प्रेमी एवं पर्वतारोही राघव जैन का मानना है कि जल, जंगल, जमीन और जैव विविधता का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वे जब भी मंदसौर आते हैं, शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान में अपनी सहभागिता अवश्य निभाते हैं। उनका उद्देश्य केवल स्वयं पर्यावरण संरक्षण करना नहीं, बल्कि अधिक से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित करना भी है। राघव जैन इससे पूर्व पर्यावरण बचाओ, वृक्ष लगाओ अभियान के तहत साइकिल यात्रा निकालकर लोगों को जागरूक कर चुके हैं। उन्होंने स्वयं अनेक पौधे लगाए हैं और उनके बड़े होने तक उनकी नियमित देखभाल भी की है। इसके अलावा वे सीड बॉल (बीज गेंद) बनाकर जंगलों एवं बंजर क्षेत्रों में फेंकते हैं, ताकि प्राकृतिक रूप से अधिक से अधिक पौधे विकसित हो सकें और हरियाली बढ़े। पर्यावरण के साथ-साथ राघव जैन

पक्षी संरक्षण के लिए भी निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्हें जब भी कोई घायल पक्षी दिखाई देता है, वे उसे अपने घर लाकर उसका उपचार करते हैं। स्वस्थ होने के बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ देते हैं, ताकि वह फिर से खुले आसमान में उड़ान भर सके। उनको एक दूरलभ प्रजाति का पक्षी मिला था उसको वन विभाग के हवाले भी किया था उनका मानना है कि यदि पेड़ रहेंगे तो पक्षियों को घोंसले बनाने के लिए सुरक्षित स्थान मिलेगा, भोजन मिलेगा और हमारे घरों के आसपास पक्षियों का मधुर कलरव हमेशा सुनाई देता रहेगा। इसलिए वृक्षारोपण केवल हरियाली बढ़ाने का नहीं, बल्कि पक्षियों और पूरे पर्यावरण के संरक्षण का भी प्रभावी माध्यम है। राघव जैन का कहना है, पेड़ हमें शुद्ध हवा देते हैं और स्वच्छ नदियां शुद्ध पानी। ह उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए, उसकी देखभाल करे, नदियों और जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने में सहयोग दे तथा घायल पक्षियों और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति भी संवेदनशील बने। उनका मानना है कि प्रकृति के प्रति हमारा छोटा-सा प्रयास भी समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है।

नीमच

एक नजर में

आचार्यों को मिला आधुनिक शिक्षण का प्रशिक्षण, बरलाई में दक्षता वर्ग आयोजित

मनासा। ग्राम भारती मनासा द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों के बरलाई एवं खड़ावदा संकुल का संयुक्त संकुल स्तरीय आचार्य दक्षता वर्ग बरलाई में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में दोनों संकुलों के करीब 30 आचार्य एवं दीदियों ने सहभागिता कर शिक्षण दक्षता बढ़ाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेश कुमार पाटीदार बरथुन (सदस्य, ग्राम भारती मनासा एवं अंग्रेजी-हिंदी विषय के मास्टर ट्रेनर, मध्यप्रदेश) तथा राजेश पाटीदार (सदस्य, ग्राम भारती मनासा) के आतिथ्य में हुआ। अतिथियों ने मां सरस्वती, प्रणवाक्षर ' ' एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण के दौरान वंदना अभ्यास के साथ-साथ सुरेश कुमार पाटीदार ने हिंदी व्याकरण, अंग्रेजी व्याकरण एवं वर्णमाला के प्रभावी शिक्षण की बारीकियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। अंतिम सत्र में जिला प्रमुख संतोष मेवाड़ा ने पंचपदी शिक्षण पद्धति पर जानकारी देते हुए शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के गुर बताए। कार्यक्रम का संचालन संकुल प्रमुख निलेश शर्मा (बरलाई) ने किया। अतिथियों का स्वागत पवन चौहान, संकुल प्रमुख खड़ावदा ने किया, जबकि अंत में आभार भी उन्होंने ही व्यक्त किया। इस संबंध में जानकारी संस्था प्रधान एवं जिला प्रचार प्रमुख हीरालाल रावत ने दी।

अहंकार के त्याग बिना भगवान नहीं मिलता है - मुक्ति सागर जी महाराज साहब,

नीमच। श्वेतांबर जैन समाज श्री भीड़भंजन पार्श्वनाथ मंदिर मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में पुस्तक बाजार स्थित नवीन आराधना भवन में आयोजित अमृत प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत आज सोमवार प्रात: 9:15 बजे आचार्य श्री मुक्ति सागर जी महाराज आदि ठाणा के पावन सानिध्य में 'कर्तव्य, धर्म संचय एवं पुण्य' विषय पर विशेष अमृत प्रवचन आयोजित होंगे। आचार्य श्री ने अपने प्रेरक प्रवचनों में कहा कि आज संसार में अधिकांश लोग अपने सुखों का प्रदर्शन करते हैं, जबकि वास्तविक सुख प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विनम्रता में है। दु:ख को सहन करना सरल है, परंतु सुख को संभालना अत्यंत कठिन है। धर्मशास्त्रों के अध्ययन से मन पवित्र होता है, जिससे अहंकार का नाश होता है और जहां अहंकार समाप्त होता है, वहीं भगवान का वास होता है। उन्होंने कहा कि सद्ज्ञान का दुरुपयोग अहंकार को जन्म देता है, इसलिए ज्ञान के साथ विनम्रता आवश्यक है। पूर्व जन्मों के पुण्यों से ही धर्म संचय का अवसर प्राप्त होता है। सभी धर्म पुण्य कर्म करने की प्रेरणा देते हैं, किंतु जैन धर्म आत्मकल्याण, केवलज्ञान, पैदल विहार, केशलोंच तथा रात्रि भोजन त्याग जैसी महान परंपराओं के माध्यम से आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। आचार्य श्री ने कहा कि परिवार, शरीर एवं धन-संपत्ति के प्रति अत्यधिक मोह आत्मकल्याण में बाधक है। संसार की संपत्ति नश्वर है, जबकि धर्म का संचय जन्म-जन्मांतर तक साथ रहता है। उन्होंने सभी धर्मों एवं परंपराओं के प्रति सम्मान रखने का संदेश देते हुए किसी भी धर्म या मान्यता की आलोचना से बचने का आह्वान किया। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी 3 एवं 4 अक्टूबर को आयड़ (उदयपुर) में श्वेतांबर समाज का विशाल सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें समाज की एकता एवं संगठन को सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इससे पूर्व रविवार को प्रात: 8:30 बजे आचार्य श्री मुक्ति सागर जी महाराज आदि ठाणा-4 का भव्य मंगल विहार जुलूस जैन भवन से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुस्तक बाजार स्थित श्री भीड़भंजन पार्श्वनाथ मंदिर पहुंचा।

नीमच में लग्जरी बस से 105 किलो डोडाचूरा जब्त

नीमच। नीमच सिटी पुलिस ने नशामुक्त अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए फोरलेन पर बी.आर. ट्रेवल्स की एक लग्जरी बस से 105 किलोग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया है। मामले में राजस्थान के एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बस, डोडाचूरा और मोबाइल सहित 65.85 लाख रुपए का मशरूका जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

मुखबिर की सूचना पर फोरलेन पर घेराबंदी: पुलिस को सूचना मिली थी कि एक लग्जरी बस से मादक पदार्थों की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। एसपी राजेश व्यास, एएसपी हेमलता अग्रवाल और सीएसपी किरण चौहान के निर्देशन में थाना प्रभारी विजय सागरिया की टीम ने जेतपुरा फंटे से चौथखेड़ा फंटे के बीच फार्म फिल्स ढाबे के पास घेराबंदी कर बस क्रमांक ऋ01ड्ड9595 को रोका।

डिक्की से मिले 6 कट्टे, 105 किलो डोडाचूरा बरामद: पंचों की मौजूदगी में बस की डिक्की की तलाशी लेने पर छह सफेद कट्टों में छिपाकर रखा गया 105 किलोग्राम अफीम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से आरोपी बंशीलाल (38) निवासी मूलत: फलोदी और वर्तमान निवासी बालोतरा (राजस्थान) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 15.75 लाख रुपए कीमत का डोडाचूरा, तस्करी में प्रयुक्त 50 लाख रुपए की लग्जरी बस और एक वीवो मोबाइल जब्त किया। कुल जब्त मशरूका की कीमत 65.85 लाख रुपए आंकी गई है।

सप्लाई नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस: आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी विजय सागरिया ने बताया कि पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि डोडाचूरा कहां से लाया गया था और राजस्थान में किसे सप्लाई किया जाना था। साथ ही इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

75 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर्स का सम्मान, दो सदस्यों ने की देहदान की घोषणा

नीमच। संयुक्त विभाग पेंशनर संघ का तृतीय वार्षिक अधिवेशन रविवार को स्वर्णकार मांगलिक भवन में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ।

अधिवेशन में जिले सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पेंशनर्स, पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने भाग लेकर संगठन की एकजुटता, वरिष्ठजनों के सम्मान और सामाजिक सरोकारों का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक दिलीप सिंह परिहार रहे। मंच पर डॉ. जयंत बैरागी (झाबुआ), कैलाश सेन (इंदौर), बालचंद वर्मा, जगमोहन श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अपने संबोधन में विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में राष्ट्र निर्माण, प्रशासनिक व्यवस्था और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

अधिवेशन में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने पेंशनर्स से जुड़े मुद्दों, लंबित मांगों, सामाजिक सुरक्षा और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, सदस्य संख्या बढ़ाने तथा पेंशनर्स के हितों के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनर्स का शॉल, श्रीफल एवं सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

एसपी ऑफिस के सामने तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का कहर, बाइक को मारी टक्कर

नीमच। शहर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय और विधायक बंगले के सामने स्थित व्यस्त चौराहा रविवार को एक बार फिर सड़क हादसे का गवाह बना। यहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होने से बच गए और बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार काले रंग की स्कॉर्पियो (क्रमांक एमपी-44-जेडएम-0757) तेज रफ्तार में आई और रॉन्ग साइड से मुड़ते हुए बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाइक सवार अल्फेज मंसूरी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ फव्वारा चौक की ओर से मजदूरी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने अचानक कट मारते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। उनका आरोप है कि वे सामान्य गति से चल रहे थे, लेकिन दुर्घटना के बाद भी स्कॉर्पियो चालक ने अपनी गलती स्वीकार नहीं की और उल्टा उन पर ही तेज गति से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए विवाद करने लगा। घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पहुंची और वाहन सहित पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

एक नजर | अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के तीन प्रकरणों में 1.76 लाख रुपये से अधिक की शास्ति अधिरोपित

अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत तीन अलग-अलग प्रकरणों में वाहन मालिकों पर कुल 1 लाख 76 हजार 550 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

जारी आदेशों के अनुसार, पुलिस थाना बघाना द्वारा जप्त जेसीबी क्रमांक ऋछ35श्च1285 से बिना रॉयल्टी मुरूम का अवैध उत्खनन पाए जाने पर वाहन मालिक राजेन्द्रसिंह पिता गणपतलाल बावरी, निवासी साण्डीखेड़ा पर 58 हजार 500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इसमें 29 हजार 250 रुपये रॉयल्टी का 15 गुना तथा 29 हजार 250 रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है। इसी प्रकार पुलिस थाना नीमच द्वारा रेत का अवैध भंडारण पाए जाने पर वाहन मालिक महेश पिता किशनलाल अहिर, निवासी वार्ड क्रमांक-10, बंगाली कॉलोनी, ग्वालटोली, नीमच पर 11 हजार 250 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसमें 5 हजार 625 रुपये रॉयल्टी का 15 गुना तथा 5 हजार 625 रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है। वहीं पुलिस थाना नयागांव द्वारा डम्पर क्रमांक रस्क09॥॥3919 से गिट्टी का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक अंकुश पिता पंकज मित्तल, निवासी 75, नया बाजार, तिलक पथ, नीमच केंट पर 1 लाख 6 हजार 800 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इसमें 10 हजार 800 रुपये रॉयल्टी का 15 गुना तथा 96 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने खनिज अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि अधिरोपित अर्थदंड की राशि 15 दिवस के भीतर शासकीय कोष में जमा होने की पुष्टि के उपरांत ही जप्त वाहनों को मुक्त किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।